शनिवार
16 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 112
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गुलदार के हमले में बुजुर्ग की मौत

❑आक्रोशित ग्रामीण बैठे धरने पर, शव नहीं उठाने दिया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। गुलदार के हमले में बीती शाम एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वन विभाग को घटना की सूचना दी। वहीं बीती शाम से स्थानीय ग्रामीण मौके पर मौजूद है साथ ही आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा शव को वन विभाग के हवाले नहीं किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम जिला मुख्यालय के करीब बसे कमंद गांव में गुलदार ने एक बुजुर्ग को निवाला बना लिया। जिससे क्षेत्र में दशहत का माहौल है। गांव के पास खेत में बकरियों के लिए चारा पत्ती लेने गए बुजुर्ग पर गुलदार ने शाम करीब 7 बजे हमला किया और घसीटते हुए दूर ले गया। देर रात छानबीन के बाद बुजुर्ग का शव बरामद किया गया। इस घटना के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि बीती शाम मोहन चंद्रम मलासी घर के पास बकरियों के लिए चारापत्ती लेने गए थे। इसी दौरान करीब 7 बजे गुलदार ने उन पर हमला कर दिया और घसीटते हुए दूर ले गया। बुजुर्ग जब काफी देर तक घर नहीं पहुंचा तो स्वजनों व ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की। देर रात तक छानबीन करने पर शव क्षत विक्षत पाया गया। सूचना के बाद क्षेत्र के ग्रामीण एकजुट हो गए हैं। प्रशासन व वन विभाग की टीम को ग्रामीणों के

आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। आज भी स्थानीय लोगों ने शव को नहीं उठाने दिया और वनविभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों का कहना है कि विभाग लीसा निकलवाने और नाच गाने में व्यस्त है और लोग जानवरों का शिकार बन रहे हैं। ग्राम प्रधान थली साधना देवी ने बताया कि गांव में लगातार गुलदार की धमक देखने को मिलती है।

बता दें कि उत्तराखण्ड राज्य में वन्य जीव व मानव संघर्ष थमने का नाम नही ले रहा है। पिछले कई माह से पौड़ी जनपद के कई क्षेत्रों में गुलदार का आंतक जारी है। हालांकि वन विभाग द्वारा वन्य जीवों के आंतक के खात्मे को लेकर उनके प्रभावित क्षेत्रों में शिकारी तैनात कर दिये गये है लेकिन उन शिकारियों द्वारा भी कई गुलदारों को मौत के घाट उतार देने के बावजूद भी यह आंतक समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इस कारण स्थानीय लोगों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश व्याप्त हो चुका है। जिसका ताजा प्रमाण आज कमंद गांव में सामने आया है जहां बीती रात से गुलदार का शिकार हुए व्यक्ति का शव मौके पर पड़ा है लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा प्रशासन को वह शव उठाने नहीं दिया जा रहा है।

मरोड़ा ग्राम पंचायत की युवा प्रधान और बुजुर्ग के पैर छूने वाली तस्वीर पर छिड़ी बहस

‘सत्ता’ के आगे झुकी ‘उम्र’

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय अंचलों में मातृशक्ति और युवा नेतृत्व को लेकर अक्सर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कई बार सामाजिक मर्यादाओं और व्यवस्था के अंतर्विरोधों को उजागर कर देती है। हाल ही में पौड़ी गढ़वाल जिले की मरोड़ा ग्राम पंचायत से एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर पहाड़ के राजनीतिक गलियारों तक एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

बता दें कि उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले की मरोड़ा ग्राम पंचायत इन दिनों अचानक चर्चा के केंद्र में आ गई है। वजह बनी एक वायरल तस्वीर, जिसमें ग्राम पंचायत की युवा महिला प्रधान वीरा रावत कुर्सी पर बैठी नजर आ रही

> ❑सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है तस्वीर
> ❑युवा महिला प्रधान पर उठे सवाल, समर्थक आए सामने
> ❑लोकतंत्र, संस्कार व सत्ता के बदलते स्वरूप पर बहस

हैं, जबकि उनके सामने दादा की उम्र का एक बुजुर्ग व्यक्ति झुककर उनके पैर छूता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि मरोड़ा ग्राम पंचायत की युवा और पढ़ी-लिखी प्रधान वीरा रावत के पास गाँव के ही एक बुजुर्ग व्यक्ति किसी

सरकारी काम या दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराने पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आई जानकारी के अनुसार इस दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जहां बुजुर्ग व्यक्ति ने युवा महिला प्रधान के पैर छुए। इस घटना की तस्वीर और जानकारी जैसे ही सामने आई, यह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई।

पहाड़ में जहां गाँव की बेटियों को पूजने और बड़ों से आशीर्वाद लेने की अटूट परंपरा है, वहां एक दादा की उम्र के बुजुर्ग द्वारा युवा प्रधान के पैर छूने की घटना ने लोगों को दो पक्षों में बांट दिया है। हालांकि इस मामले में कुछ लोग महिला प्रधान वीरा रावत के समर्थन में भी सामने आए हैं। उनका कहना है कि तस्वीर को एकतरफा तरीके से देखा जा रहा है। संभव है कि बुजुर्ग व्यक्ति ने स्वेच्छा से प्रधान पद का सम्मान करने के लिए ऐसा किया हो। समर्थकों का तर्क है कि लोकतंत्र में चुने गए जनप्रतिनिधि का सम्मान करना गलत नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन सवाल केवल सम्मान का नहीं, बल्कि उस सामाजिक संदेश का भी है जो ऐसी तस्वीरें समाज में छोड़ती हैं। पंचायत व्यवस्था को गांवों की सबसे संवेदनशील लोकतांत्रिक इकाई माना जाता है, जहां प्रधान को जनसेवक की भूमिका में देखा जाता है। ऐसे में जब सत्ता और पद को लेकर दिखावे की तस्वीरें सामने आती हैं, तो लोगों के मन में असहजता पैदा होना स्वाभाविक माना जा रहा है।

यह विवाद महिला नेतृत्व को लेकर भी नई चर्चा खड़ी कर रहा है। कुछ

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

बदहाली के लिए सरकार जिम्मेवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश पर आए आर्थिक संकट का जिक्र करने के बाद देश की जनता से अपने तमाम खर्चों में कटौती करने की अपील से यह साफ हो गया था कि आने वाला समय में महंगाई का बम फूटना तय है। अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। सोने पर टैक्स बढ़ाने से लेकर दूध, पेट्रोल, डीजल व सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी हो चुकी है। इस वक्त महंगाई की दर बीते 42 महीनो के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में हो चुकी अकल्पनीय वृद्धि से पहले ही आम लोगों का जीवन तबाह था लेकिन अब खाड़ी युद्ध के कारण पैदा हुए एनर्जी संकट ने इसमें आग में घी डालने जैसा काम किया है। वर्तमान के जो हालात हैं वह डरावने इसलिए भी है क्योंकि सरकार के पास अब इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। हमेशा चुनावी मोड में रहने वाली केंद्र की मोदी सरकार द्वारा सर पर मंडराने वाले इस सबसे बड़े संकट को लंबे समय तक नजर अंदाज किए जाने से इसके दुष्परिणाम और भी अधिक घातक रूप ले चुके हैं। अभी सरकार सिर्फ लोगों से यह न खरीदो वह न खरीदो तथा इसका आयात निर्यात करने न करने में उलझी हुई है वह यह उम्मीद लगाए बैठी है कि देश की जनता सब झेल लेगी और आने वाले समय में स्थितियां सामान्य हो जाएगी लेकिन इसकी संभावना दो-चार प्रतिशत ही है। वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का जो सिलसिला अभी शुरू हुआ है वह अब थमने वाला नहीं है। आने वाले समय में अगर आम लोगों को उनकी जरूरत का समान नहीं मिलेगा या फिर इतनी कीमत पर तो मिलेगा ही कि वह आम आदमी की क्रय क्षमता से बाहर हो जाएगा तब देश में आंतरिक असुरक्षा के कारण अराजकता की भी स्थिति पैदा होने की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है। देश में कुछ हिस्सों से इस मूल्य वृद्धि के खिलाफ लोगों के सड़कों पर आने की खबरें आनी शुरू हो चुकी हैं। कीमत बढ़ने के साथ-साथ विरोध प्रदर्शन के इन स्वरों को तेज होने से भी कोई नहीं रोक पाएगा? लोगों की यह नाराजगी बेवजह नहीं है जिस सरकार ने अच्छे दिन लाने का भरोसा देकर सत्ता हासिल की हो वह अगर लोगों को अब अपनी आम और जरूरी जरूरतो को भी पूरा करने में स्वयं को लाचार महसूस कर रहे हैं तो यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता ही है। क्या सत्ता में बैठे लोगों को यह पता नहीं था कि देश पर इतना बड़ा संकट आने वाला है और अगर पता था तो सरकार ने समय रहते उसके उचित निदान के लिए कोई तैयारी क्यों नहीं की? पीएम क्यों देश के लोगों को विकसित भारत और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का इनपुट तो परोसते रहे? आज जब पेट्रोल डीजल और रसोई गैस का संकट सामने खड़ा है तो वह तेल कंपनियों के बढ़ते घाटे का हवाला देते हुए उसकी कीमते बढ़ा रहे हैं अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब तेल की कीमतें कम थी तो मुनाफा कौन कमा रहा था तब जनता को सस्ता पेट्रोल डीजल क्यों नहीं मोहिया कराया गया? हर जगह अब सवाल ही सवाल है। मोदी ने जब देश की सत्ता संभाली थी तब डालर के मुकाबले रुपया 64 के आसपास था जो अब 95 तक पहुंच चुका है सवाल यह है कि इस बीच कभी सरकार की नींद क्यों नहीं टूटी? मोदी कहते हैं हमारा क्या है जी हम तो झोला उठाएंगे और चल देंगे। मोदी का क्या है और जनता का क्या है जी? इस फर्क को भी उन्हें समझना होगा क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री है और उन्हें प्रधानमंत्री देश की जनता ने बनाया है तब क्या जनता उन्हें ऐसे ही झोला उठाकर जाने देगी? विचारणीय सवाल है?

डीएम ने बौराड़ी क्षेत्र में कराये जा रहे कार्यो की ली समीक्षा बैठक

हमारे संवाददाता

टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में एडीबी द्वारा बौराड़ी में कराए जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा कर सम्बधितो को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्वक कार्य पूर्ण करने सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में स्थानीय व्यापार मण्डल के पदाधिकारी व दुकानदारों के साथ फर्निचर्स मार्केट, कबर्ड मार्केट आदि स्थानों पर कराये जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में व्यापारियों द्वारा कराये जा रहे कार्यों का गुणवत्ता पूर्वक न कराये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी टिहरी की अध्यक्षता में लोनिवि, जल निगम, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों से कार्यों की गुणवत्ता को परखने की बात कही। शौचालय निर्माण कराने के लिए केयर टेकर रूम भी बनाये जाने की मांग अध्यक्ष नगर पालिका द्वारा की गयी जिसपर जिलाधिकारी ने एडीबी के अधिकारियों को संबंधित मांग डीपीआर में शामिल करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पहाड़ी शैली को प्रदर्शित करने वाले चित्रण करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिए, फर्नीचर्स मार्केट का मुआवजा दिलाये जाने पर रिपोर्ट प्राप्ति के बाद कार्यवाही का आश्वासन दिया गया, इसके साथ ही कबर्ड मार्केट पर गेट लगाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, सोलर पैनल लगाने जैसे बिन्दुओ पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी टिहरी ने कबर्ड मार्केट के सीढ़ियो पर टाइल्स का काम तीन दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने रविवार दिनांक 17 मई से फर्नीचर मार्केट खोलने की बात कही जिसपर व्यापार मंडल के पदाधिकारी द्वारा सहमति दी गई ।

विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-10)

विधानसभा चुनाव 2027 के महासमर में बेरोजगारी बन सकता है गेमचेंजर

डिग्रियां 'हाथ' में और 'नौकरियां हवा' में

- **पलायन और खाली होते गांवों के बीच रोजगार का मुद्दा रहेगा मुखर**
- **पेपर लीक और भर्ती घोटालों की टीस युवाओं के दिलों में है जिंदा**
- **इस बार चुनावी मंचों पर विकास से ज्यादा रोजगार पर होगी बहस**
- **प्रदेश में सरकारी भर्तियों की धीमी रफ्तार से युवाओं में है नाराजगी**

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के गांवों से लेकर शहरों तक युवा रोजगार और भविष्य को लेकर बेचैन हैं। सरकारी नौकरियों की सीमित संख्या, भर्ती परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक जैसी घटनाओं और निजी क्षेत्र में अवसरों की कमी ने युवाओं के भीतर गहरी नाराजगी है। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राज्य में सियासी पारा चढ़ने लगा है। 70 विधानसभा सीटों वाले इस पर्वतीय राज्य में सत्ता की चाबी इस बार किस करवट बैठेगी, इसे लेकर राजनीतिक विश्लेषकों ने गुणा-भाग भी शुरू कर दिया है। लेकिन इन सबके बीच धरातल पर एक ऐसा मुद्दा है, जो इस बार पारंपरिक पहाड़ बनाम मैदान या जातिगत समीकरणों पर भारी पड़ता दिख रहा हैकृवह मुद्दा है बेरोजगारी का।

उत्तराखंड के सियासी गलियारों से लेकर चाय की दुकानों और युवाओं के चौपालों तक इस बात की गूंज साफ सुनाई दे रही है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में रोजगार के वादों और दावों पर ही लड़ा जाएगा। राज्य गठन के ढाई दशक बाद भी पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी का यहां के काम न आना एक स्थायी दर्द बन चुका है। रोजगार की तलाश में मैदानी इलाकों और दूसरे राज्यों का रुख करते युवा आज भी उत्तराखंड की सबसे बड़ी कड़वी हकीकत हैं। हालांकि सरकार की ओर से स्वरोजगार और होमस्टे जैसी योजनाओं के जरिए युवाओं को रोकने की कोशिशें की गईं, लेकिन धरातल पर उनकी रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं दिख रही है।

पहाड़ी जिलों से लगातार हो रहा पलायन इस बात का गवाह है कि गांवों में युवाओं के पास आजीविका के साधन बेहद सीमित हैं। बीते वर्षों में राज्य ने सरकारी भर्तियों में कई उतार-चढ़ाव और विवाद देखे हैं। यूकेएसएसएससी और लोक सेवा आयोग की कुछ परीक्षाओं में हुए घोटालों और पेपर लीक के मामलों ने प्रदेश के युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया है। हालांकि सरकार ने सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर डैमेज कंट्रोल की बड़ी कोशिश की, लेकिन युवाओं के मन में परीक्षाओं के लटकने, समय पर रिजल्ट न आने और नियुक्तियों में देरी को लेकर जो टीस पैदा हुई थी, वह आगामी चुनाव में ईवीएम तक पहुंच सकती है।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और क्षेत्रीय दल उत्तराखंड क्रांति दल इस मुद्दे को भुनाने में अभी से लग गया है। कांग्रेस ने हाल ही में सांगठनिक स्तर पर बदलाव कर युवाओं और बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार रोजगार के आंकड़े केवल कागजों पर दिखा रही है, जबकि हकीकत में लाखों पंजीकृत बेरोजगार कतार में खड़े हैं। विपक्ष इस बार के चुनाव में रोजगार गारंटी, समयब(भर्ती कैलेंडर और खाली पड़े सरकारी पदों को भरने जैसे मुद्दों को अपने घोषणापत्र का मुख्य हिस्सा बना सकता है।

दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा इस मोर्चे पर रक्षात्मक होने के बजाय आक्रामक रणनीति अपना रही है। सरकार का तर्क है कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून उत्तराखंड में ही लागू है। इसके अलावा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए प्रदेश में आए निवेश, इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और पर्यटन के क्षेत्र में पैदा हो रहे नए अवसरों को सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर सकती है। भाजपा का दावा है कि सरकारी नौकरियों के अलावा निजी क्षेत्र और स्वरोजगार के माध्यम से लाखों युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया है।

उत्तराखंड में युवा मतदाताओं की संख्या कुल मतदाता वर्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। यह वह वर्ग है जो सोशल मीडिया पर सक्रिय है और पारंपरिक राजनीति से इतर सिर्फ नतीजे चाहता है। डिजिटल जनगणना और सीमांकन की आहट के बीच, युवा वर्ग राजनीतिक दलों से ठोस रोडमैप भी मांगेगा और जो भी दल युवाओं को सुरक्षित भविष्य और रोजगार का सबसे विश्वसनीय भरोसा देगा 2027 में सत्ता का रास्ता उसी के लिए साफ होगा। अब देखना यह होगा कि जवानी के दम पर उत्तराखंड की सत्ता हासिल करने का यह ख्वाब किस दल का पूरा होता है और कौन बेरोजगारी के इस चक्रव्यूह में उलझकर रह जाता है।

सूनी चौखटों को 'अपनों' का इंतजार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की सुबह आज भी उतनी ही खूबसूरत होती है। सूरज की पहली किरण जब सीढ़ीनुमा खेतों पर पड़ती है तो लगता है जैसे प्रकृति ने सोने की चादर बिछा दी हो। हवा में आज भी बुरांश की खुशबू है और पगडंडियों में घास उगी है और आज भी वैसी ही हैं, लेकिन अब उनमें जीवन की आवाज नहीं बची।

कभी जिन गांवों में हर शाम चूल्हों का धुआं उठता था, जहां तिबारियों में बैठकर बुजुर्ग लोकगीत गाते थे, जहां बच्चे खेतों में दौड़ते थे, आज वहां सन्नाटा पसरा है। घरों के दरवाजों पर जंग लगे ताले लटक रहे हैं। कई मकानों की छतें टूट चुकी हैं। दीवारों पर उग आई काई मानो वक्त के बीतने का हिसाब दे रही हो। पलायन ने पहाड़ को धीरे-धीरे भीतर से खोखला कर दिया है। रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में गांवों के युवा शहरों की तरफ चले गए। पीछे रह गए बूढ़े मां-बाप, सूने आंगन और इंतजार करती आंखें।

उत्तराखंड के पहाड़ों में कभी इन गांवों में जीवन धड़कता था। सुबह महिलाएं घास और लकड़ी लेने जंगल जाती थीं, पुरुष खेतों में हल चलाते थे, बच्चे स्कूल की पगडंडियों पर दौड़ते थे। शाम होते ही चौपाल सजती थी और

- **पहाड़ के गांवों के बंद दरवाजों में कैद हैं अधूरी हंसी और सपने**
- **पलायन ने पहाड़ से सिर्फ लोग नहीं, उसकी आत्मा भी छीन ली**
- **रोजगार व बेहतर जिंदगी की तलाश में गांव हो गए हैं आज बूढ़े**
- **खेत बंजर, पगडंडियां सुनसान व बुजुर्ग ताक रही अपनों की राह**

तिबारियों में लोकगीत गूंजते थे। अब वही गांव वीरान खड़े हैं। खेतों में झाड़ियां उग आई हैं और पगडंडियों पर अब केवल जंगली जानवरों के निशान दिखते हैं।

रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की तलाश में पहाड़ का युवा शहरों की ओर चला गया। देहरादून, दिल्ली, हल्द्वानी और चंडीगढ़ जैसे शहरों ने गांवों की रौनक अपने भीतर समेट ली। पीछे रह गए सिर्फ बूढ़े मां-बाप, जिनकी आंखें हर त्योहार पर दरवाजे की ओर टिक जाती हैं। वह आज भी उम्मीद करते हैं कि शायद इस बार बेटा लौट आएगा। शायद इस बार घर में फिर चूल्हा जलेगा। शायद सूनी पड़ी तिबारी में फिर हंसी सुनाई देगी।

पहाड़ के कई गांव अब भूतिया गांव कहलाने लगे हैं। वहां घर तो हैं, लेकिन उनमें जिंदगी नहीं है। टूटी छतों से बरसात टपकती है, दीवारों का पलस्तर झड़ चुका है और बंद कमरों में मकड़ियों ने

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तीर्थ पुरोहितों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर किया पिंडदान व तर्पण

चमोली(आरएनएस)। ब्रह्मकपाल में ऑनलाइन पूजा के नाम पर ठगी के विरोध में ब्रह्मकपाल में तीर्थ पुरोहितों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और पिंडदान व तर्पण कार्य किए। उन्होंने चेतावनी दी यदि जल्द इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो बदरीनाथ धाम में आंदोलन किया जाएगा। ब्रह्मकपाल तीर्थ के नाम पर कुछ लोग ऑनलाइन ठगी कर रहे हैं। एआई से वीडियो तैयार कर ब्रह्मकपाल में पितरों के नाम पर पूजा कराने की बात कहते हुए लोगों से बुकिंग कराने को कहा जा रहा है। तीर्थ पुरोहितों ने इस मामले में पुलिस महानिदेशक, पुलिस अधीक्षक चमोली व थाना बदरीनाथ को लिखित में शिकायत दी थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर तीर्थ पुरोहितों में नाराजगी है। ब्रह्मकपाल तीर्थ पुरोहित पंचायत समिति के अध्यक्ष उमेश सती, संजय हटवाल, मदन कोठियाल व सुरेश हटवाल ने बताया कि ऑनलाइन ठगी के साथ कुछ असामाजिक तत्व तप्तकुंड व गांधी घाट के आसपास तीर्थयात्रियों से कर्मकांड करा रहे हैं। इसके विरोध में बृहस्पतिवार से तीर्थ पुरोहित बांह पर काली पट्टी बांधकर कार्य करने के लिए मजबूर हैं। जल्द इस मामले में उचित कार्रवाई न की गई तो आंदोलन किया जाएगा। ब्रह्मकपाल क्षेत्र में पिंडदान का खास महत्व है। मान्यता है कि यहां पिंडदान कराने के बाद पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीर्थ पुरोहित डॉ. बृजेश सती ने बताया कि पिंडदान व तर्पण ऑनलाइन करने का शास्त्रों में कहीं कोई विधान नहीं है। देश में चार जगहों पर पितरों के निमित्त पिंडदान व तर्पण किया जाता है। इसमें गया, काशी, हरिद्वार और ब्रह्मकपाल क्षेत्र हैं।

एंटी रेबीज वैक्सीन का संकट खत्म, 500 वायल और पहुंची

रुड़की(आरएनएस)। सिविल अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन खत्म होने से पहले ही दूसरी खेप पहुंच गई है। जिससे अब कुत्ता और अन्य जानवरों के काटने पर इलाज में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। सिविल अस्पताल रुड़की के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि 500 वायल एंटी रेबीज वैक्सीन की और अस्पताल पहुंच गई है। कुछ समय पहले अस्पताल में उपलब्ध पूरा स्टॉक समाप्त हो गया था। अस्थायी व्यवस्था के तौर पर दूसरे अस्पताल से वैक्सीन मंगाई गई थी, लेकिन वह भी कुछ दिनों में खत्म हो गई। इसके बाद कई मरीजों को मेडिकल स्टोर से 300 से 380 रुपये तक खर्च कर वैक्सीन खरीदनी पड़ी। अस्पताल प्रबंधन ने लगातार उच्च अधिकारियों को वैक्सीन की मांग भेजी थी। अब नई खेप पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

पूर्व विधायक स्व. गोविंद प्रसाद के नाम से होगा ब्लॉक सभागार देवप्रयाग

पौड़ी(आरएनएस)। ब्लॉक देवप्रयाग को नए भवन की सौगात मिली है। बृहस्पतिवार को क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी ने रिबन काटकर 245.15 लाख की लागत से बने ब्लॉक भवन का उद्घाटन किया और इसे क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। विधायक ने ब्लॉक सभागार का नाम क्षेत्र के पूर्व विधायक स्व. गोविंद प्रसाद गैरोला के नाम से रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्व. गैरोला आदर्श और विकासवादी सोच के व्यक्ति थे। उनके लिए यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी भी वर्चुअल जुड़े और समारोह को संबोधित किया। उन्होंने नवनिर्मित भवन के लिए जनता को बधाई दी। विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि यह भवन निर्माण उनका एक ड्रीम प्रोजेक्ट था जो आज साकार हुआ है। क्षेत्र के शिवालयों और सूर्य मंदिर का भव्य पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही, जामनीखाल क्षेत्र में एक नए अस्पताल के निर्माण की घोषणा भी की। समारोह की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रजनी पयाल, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नरेंद्र रावत, जेपी चंद, शशिकांत ध्यानी, महेंद्र गोसाई, रणवीर सिंह और शिव सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

गढ़वाल विवि में अब ऑनलाइन होंगी बैठकें

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। प्रधानमंत्री की पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील पर विवि ने अमल करना शुरू कर दिया है। इसको देखते हुए विवि ने ऑनलाइन बैठकों पर जोर देना शुरू कर दिया है। विभिन्न कमेटियों में विवि मुख्यालय से बाहर के सदस्यों को बैठकों में ऑनलाइन जोड़ा जाएगा। इससे समय के साथ ही विवि का खर्च व ईंधन की बचत भी होगी। दूसरी ओर विवि ने ईंधन की बचत करने के लिए कार पुलिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू कर दिया है। विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि अब विवि में विद्या परिषद, कार्य परिषद, प्रवेश समिति व अन्य महत्वपूर्ण बैठकें ऑनलाइन संचालित की जाएंगी। हालांकि कुछ अधिकारी-कर्मचारी जो बैठक स्थल के आस-पास कार्यरत या निवासरत हों वह जरूरत के हिसाब से ऑफलाइन माध्यम से भी बैठक में मौजूद रह सकेंगे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा की गई ईंधन खपत कम करने अपील को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे विवि का खर्चा भी बचेगा। हालांकि विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश के निर्देशों पर पांच माह पहले ही खर्चों में कटौती के लिए कार पुलिंग पर जोर दिया गया था। इसके तहत पौड़ी, टिहरी परिसरों से विवि मुख्यालय में आने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों को एक ही वाहन से आने-जाने के निर्देश दिए गए थे।

पड़्याल: पहाड़ की मिट्टी में बसी अपनत्व की मिसाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ में जेठ की तपती दोपहरी हो या सावन की रिमझिम फुहार यहाँ के सीढ़ीदार खेत अकेले आदमी के बस की बात नहीं होते। जब पहाड़ की ऊबड़-खाबड़ ढलानों पर खेती की बात आती है तो यहा कि एक सदियों पुरानी प्रथा पड़्याल जो सामूहिक श्रम, लोक संस्कृति, समानता, पारंपरिक व्यंजन, सामाजिक मजबूती की मिशाल थी। आज के दौर में यह अब एक दिवास्वप्न बन गई है।

कुछ दिनों पहले पहाड़ की यात्रा पर था। खेतों में पानी और तपती दोपहर में खेतों में रौपाई करती कुछ महिलाएं दिखी। लंबे समय बाद पहाड़ जाना हुआ तो मैं भी उन खेतों में चला गया। खेतों में कार्य करती महिलाओं से सवाल-जवाब में पड्याल पर चर्चा की। तो उन्होंने पड़्याल का सरल अर्थ सामूहिक श्रमदान बताया और कहा कि आज यह सब कहां है। पहले जब गांव के किसी एक व्यक्ति के खेत में बुवाई, निराई या कटाई का बड़ा काम होता था, तो पूरा गांव अपनी कुदाल और दराती लेकर उसके खेत में उतर आता है। बदले में कोई पैसा नहीं लिया जाता, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है कि आज हम तुम्हारे खेत में हैं, कल तुम हमारे साथ होगे।

महिलाओं ने बताया कि पड़्याल केवल श्रमदान नहीं, बल्कि पहाड़ी समाज की आत्मा थी। जब किसी परिवार के खेतों में रोपाई, गुड़ाई या कटाई का समय आता, तो गांव के लोग बिना किसी मजदूरी के मदद के लिए पहुंच जाते। बदले में वह परिवार भी दूसरे के खेतों में उसी तरह काम करता। इस परंपरा में न कोई हिसाब था और न कोई सौदा, केवल अपनापन और सहयोग था। रोपाई के दिनों में खेतों से आती महिलाओं की सामूहिक लोकगीतों की आवाजें पूरे गांव को जीवंत कर देती थीं। खेत काम

●एक-दूसरे के खेतों में बिना मजदूरी के मिलकर करते थे सभी लोग काम

●रोपाई व कटाई में गूंजते थे लोकगीत, मजबूत होता था सामाजिक रिश्ता

●पलायन व बदलती जीवनशैली में खत्म हो गई है पहाड़ की पुरानी परंपरा

का स्थान कम और मेल-मिलाप का केंद्र ज्यादा लगते थे। कोई पानी पिलाता, कोई बैलों को संभालता और कोई गीत गाते हुए थकान मिटाता। पहाड़ का कठिन जीवन इसी सामूहिक सहयोग से आसान बनता था।

बरसात के दिनों में रोपाई के समय खेतों में महिलाओं के लोकगीत गूंजते थे। पुरुष बैलों और हल के साथ खेत तैयार करते, जबकि महिलाएं कतार में धान रोपती थीं। खेतों में काम के साथ हंसी-मजाक और लोकसंस्कृति भी जीवित रहती थी। उत्तराखंड के पहाड़ों में प्रचलित पड़्याल प्रथा इसी एकजुटता का प्रतीक थी। लेकिन बदलते समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे कमजोर पड़ गई है।

आज के दौर में गांवों से पलायन बढ़ गया है और खेती बंजर होने लगी और आपसी मेलजोल की जगह भागदौड़ वाली जिंदगी ने ले ली। अब खेतों में जहां महिलाएं कार्य करती दिखती हैं वहां सामूहिक गीतों की आवाज कम और सन्नाटा ज्यादा सुनाई देता है। क्योंकि सभी महिलाओं ने अपने-अपने कानों पर मोबाइल की लीड लगाकर चुनके से गीतों का अपने आप आनंद लेती दिखती है। यही कारण है कि आज जब समाज में अकेलापन बढ़ रहा है।

महिलाएं बताती है कि जब पड़्याल जैसी परंपराएं थी उस समय लोगों में आपसी मेल-मिलाप, हसी-ठिठोली और पहाड़ का जीवन जीवंत था, लेकिन आज सब बदल गया है। पहले पहाड़ केवल प्राकृतिक सुंदरता का नाम नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन और आपसी सहयोग की संस्कृति का भी प्रतीक थे और पड्याल परंपरा केवल खेतों में काम करने की व्यवस्था नहीं थी, बल्कि इंसानियत और सामाजिक एकता की मिसाल थी, लेकिन आज वह सब कहा।

सीएसी बैजनाथ की एक्स-रे मशीन सुचारु

बागेश्वर(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ में पिछले कई दिनों से तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी एक्स-रे मशीन को गुरुवार को ठीक कर फिर से संचालित कर दिया गया। अब अस्पताल में एक्स-रे जांच सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध रहेगी, जिससे क्षेत्रीय जनता को बड़ी राहत मिली है। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने एक्स-रे मशीन खराब होने का त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल तकनीकी मरम्मत कार्य कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी ने बताया कि एक्स-रे मशीन में आई तकनीकी खराबी को दूर कर दोपहर साढ़े 12 बजे से मशीन फिर से क्रियाशील हो गई है। उन्होंने बताया कि मशीन बंद होने के कारण मरीजों को निजी केंद्रों में जांच कराने के लिए अतिरिक्त धनराशि खर्च करनी पड़ रही थी। खासकर दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब मशीन के दोबारा शुरू होने से मरीजों को राहत मिलेगी और समय पर जांच सुविधा मिल सकेगी।

नशा मुक्ति जनजागरुकता कार्यक्रम का हुआ समापन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अल्मोड़ा पुलिस, जिला प्रशासन तथा नारकोटिक्स एनोनिमस एवं अल्कोहल एनोनिमस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में चलाए गए तीन दिवसीय जनजागरूकता एवं पुनर्वास अभियान का गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्प्रभावों और पुनर्वास की आवश्यकता को लेकर पुलिस कर्मियों एवं आमजन को जागरूक किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोडके के निर्देशन में चलाए जा रहे %नशा मुक्त भारत अभियान% के तहत आयोजित कार्यक्रम में एएनटीएफ और समाज कल्याण विभाग की ओर से पुलिस कर्मियों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े कुमाऊं रेंज के पुलिस जवानों को जनजागरूकता और पुनर्वास से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों और जवानों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए स्वयं और अपने परिवार से शुरुआत करने का आह्वान किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प भी लिया। नारकोटिक्स एनोनिमस एवं अल्कोहल एनोनिमस सोसाइटी के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नशे की लत व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से कमजोर बना देती है। उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार के सहयोग से ही नशे से बाहर निकलना संभव है तथा वर्तमान में वे समाज में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान अल्मोड़ा पुलिस की ओर से सोसाइटी के सदस्यों को जनजागरूकता अभियान में सहयोग के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की पहल से जनपद के पांच व्यक्तियों ने नारकोटिक्स एनोनिमस एवं अल्कोहल एनोनिमस सोसाइटी से जुड़कर पुनर्वास प्रक्रिया शुरू की और नशामुक्त अभियान का हिस्सा बनने का संकल्प लिया। रेड क्रॉस सोसाइटी अल्मोड़ा ने भी जनपद को नशामुक्त बनाने के अभियान में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सीओ अल्मोड़ा बलवन्त सिंह रावत, प्रतिसार निरीक्षक रमेश चन्द्र, प्रभारी एएनटीएफ एवं पीआरओ राहुल राठी, प्रभारी एसओजी सुनील धानिक, सहायक समाज कल्याण अधिकारी चन्द्र सहित पुलिस विभाग और सोसाइटी के सदस्य मौजूद रहे।

वीएमएसबीयूटीयू एवं आईएचएम के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

संवाददाता

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

आज यहां वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य हॉस्पिटैलिटी, पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र में उद्यमिता, नवाचार और स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देना है। एमओयू पर हस्ताक्षर डॉ. तृप्ता ठाकुर, कुलपति, वीएमएसबीयूटीयू की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. राजेश उपाध्याय, कुलसचिव, वीएमएसबीयूटीयू तथा आईएचएम देहरादून की ओर से डॉ. शिव मोहन, प्रधानाचार्य, आईएचएम ने समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार, सहायक अध्यापक एवं मनीष सेमवाल, विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से सेंटर फॉर हॉस्पिटैलिटी एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन की स्थापना करेंगे। यह केंद्र विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं युवा उद्यमियों को नवाचार, स्टार्ट-अप विकास, प्रशिक्षण, मेंटरिंग एवं उद्यमिता से संबंधित सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल के माध्यम से हॉस्पिटैलिटी, पर्यटन, फूड सर्विस, वेलनेस एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में स्वरोजगार और स्टार्ट-अप के नए अवसर विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही तकनीकी एवं हॉस्पिटैलिटी शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को भी मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. तृप्ता ठाकुर ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा के साथ उद्यमिता और नवाचार को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सहयोग विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव, उद्योगोन्मुख कौशल एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे। यह एमओयू शोध, नवाचार, कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगा तथा उत्तराखण्ड में उद्यमिता आधारित विकास को नई दिशा देगा।

गुरुदेव गीता मनीषी ज्ञानचंद के अवतरण दिवस पर विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। गुरुदेव गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज के अवतरण दिवस पर पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव और माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में विशेष पूजा अर्चना कर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज के दीर्घाऊ जीवन की मंगल कामना की गई।

गुरुदेव गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज के अवतरण दिवस पर पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव और माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में विशेष पूजा अर्चना कर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज के दीर्घाऊ जीवन की मंगल कामना की गई। भक्तों को श्रीमद भगवत गीता भेंट करते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कठिन परिश्रम और राष्ट्र ने हमे क्या दिया है की धारणा को छोड़कर राष्ट्र के लिए हमने क्या किया है मंत्र को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में दिन भर प्रसाद भी वितरित किया जाएगा। 17 मई से आरम्भ हो रहे पुरुषोत्तम मास के लिए जन जन गीता के पंद्रहवें अध्याय पुरुषोत्तम योग का पाठ करने का आह्वान किया गया है। कार्यक्रम के सूत्रधार माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर के संस्थापक योगाचार्य डा. बिपिन जोशी ने बताया आगामी 26 मई से 29 मई तक गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज उत्तराखंड प्रवास पर रहेंगे। हल्द्वानी, भीमताल, स्वामी विवेकानंद पद यात्रा के प्रमुख पड़ाव पहाड़पानी मजयूली कल्याणपुर, डोल आश्रम, जागेश्वर धाम, चितई गोल्ज्यू मंदिर,नंदा देवी मंदिर अल्मोड़ा आदि स्थानों में गीता ज्ञान की अमृत वर्षा करेंगे, देहरादून में भी महाराज को बुलाने की योजना बन रही है, आज के कार्यक्रम में दिगम्बर भरत गिरी महाराज, पंडित भरत जोशी, सिकंदर, लाल चंद शर्मा,पंडित गणेश बिजलवान, ऋषिपाल आदि उपस्थित रहे।

मानसून आपदा प्रबंधन को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

❑विभागों को तैयारी, मॉक ड्रिल एवं राहत व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के निर्देश

हमारे संवाददाता

टिहरी। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल एवं जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को मानसून अवधि के दृष्टिगत अपनी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरसंचार सेवाओं की आपात स्थिति में सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सैटेलाइट फोन की मॉक ड्रिल आयोजित करने के आदेश भी दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने पिछले वर्ष में हुए आपदा कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी द्वारा विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने जिला एवं तहसील स्तर के कंट्रोल रूम के नंबर सार्वजनिक करने तथा कंट्रोल रूम में तैनात कार्मिकों को आपदा के दौरान उनकी भूमिका से अवगत कराने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को जेसीबी मशीनों की लोकेशन एवं ऑपरेटरों के संपर्क नंबर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य विभाग को एंटी स्नेक वेनम उपचार एवं डेंगू नियंत्रण की तैयारी सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों में बच्चों को आपदा के प्रति संवेदनशील बनाने के निर्देश दिए गए। पेयजल विभाग को पाइपलाइन की स्थिति का परीक्षण कर आपदा में क्षतिग्रस्त होने पर तत्काल मरम्मत हेतु तैयारी रखने, विद्युत विभाग को विद्युत लाइनों की नियमित निगरानी करने तथा नगर पालिका को बड़ी एवं छोटी नालियों की सफाई एवं जलभराव क्षेत्रों में ड्रेनेज व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया।

पुलिस विभाग को आपदा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं अवैध खनन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही खोज एवं बचाव कार्यों हेतु सभी आवश्यक उपकरण तैयार रखने को कहा गया। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संभावित शेल्टर होम के रूप में सामुदायिक केंद्र, पंचायत घर एवं विद्यालयों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, जिला पंचायत को पैदल मार्गों की सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने तथा खाद्य एवं पूर्ति विभाग को राहत सामग्री की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त हेलीपैडों की स्थिति सुधारने, शिक्षा विभाग को सभी विद्यालयों का निरीक्षण करने तथा मानसून के दौरान संवेदनशील स्थलों का चिन्हीकरण कर वहां बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं शिक्षा दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, प्रभागीय वनाधिकारी पुनीत तोमर, अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार, एआरटीओ सतेंद्र राज, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल, पीएमजीएसवाई (प्रथम) के अधिशासी अभियंता अविशास सैनी, पीएमजीएसवाई (द्वितीय) के अधिशासी अभियंता गणेश नौटियाल, तथा जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट उपस्थित रहे।

विद्यालयों में परीक्षाएं नजदीक, बच्चों के पास किताबें नहीं

हरिद्वार(आरएनएस)। शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में आगामी मासिक परीक्षाओं को लेकर छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक भी असमंजस की स्थिति में हैं। शिक्षा विभाग ने परीक्षा तिथियां घोषित कर दी हैं, लेकिन अधिकांश विद्यालयों में अब तक सभी विषयों की किताबें नहीं पहुंच सकी हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की तैयारी अधूरी है और शिक्षक संगठनों ने भी परीक्षा कार्यक्रम पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। कक्षा 6 से 12 तक पूरे शैक्षणिक सत्र में चार मासिक परीक्षाएं आयोजित की जानी हैं। इनमें से पहली परीक्षा 22 मई से शुरू होगी, जबकि कक्षा 11 की परीक्षा 29 जुलाई को प्रस्तावित है।

विद्यालयों का कहना है कि बिना पर्याप्त अध्ययन सामग्री और तैयारी के परीक्षा आयोजित करना छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए चुनौती बन गया है। कई छात्रों के पास पुरानी और क्षतिग्रस्त किताबें हैं, जिनके पन्ने तक गायब हैं। स्थिति को और कठिन बना रही है शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी। कई शिक्षकों को प्रगणक के रूप में तैनात किया गया है, जिससे नियमित पढ़ाई प्रभावित हुई है।

शब्द सामर्थ्य -034

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

1		2	3	4		5		6
		7			8			
9				10		11		
		12				13	14	
	15					16		
			17				18	19
	20	21		22		23		
24				25				
	26						27	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 33 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

अब 4 जून को रिलीज नहीं होगी यश की फिल्म टॉक्सिक

साउथ सुपरस्टार यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है। फिल्म पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी, लेकिन इसकी रिलीज डेट को आगे खिसकाकर 4 जून 2026 किया गया था। फिल्म टॉक्सिक को लेकर मेकर्स ने नया पोस्ट जारी किया है। इसमें बताया है कि फिल्म की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है। अब फिल्म कब रिलीज होगी। मेकर्स इसका बहुत जल्द ऐलान करेंगे। फिल्म टॉक्सिक क्यों पोस्टपोन हुई है, इसका कारण मेकर्स ने एक लंबे चौड़े पोस्ट में बताया है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर लिखा है, कुछ फिल्में हम बनाते हैं, और कुछ फिल्में हमें याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ। टॉक्सिक ऐसी ही एक यात्रा रही है। सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म का प्रदर्शन करना और वैश्विक स्तर पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हमारे उस विश्वास को और पुख्ता कर दिया है जो हम हमेशा से मानते आए हैं कि यह फिल्म विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने की हकदार है।

उन्होंने आगे लिखा है, टॉक्सिक पूरी हो चुकी है, और हम वर्तमान में वैश्विक वितरण और साझेदारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज की तारीख में बदलाव करने का निर्णय लिया है। हालांकि हम पहले घोषित 4 जून को फिल्म रिलीज नहीं करेंगे, बल्कि बाद में वैश्विक स्तर पर तय तारीख पर रिलीज करेंगे। टॉक्सिक जल्द ही दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेकर्स आगे लिखते हैं, ऐसे समय में जब भारतीय सिनेमा अपनी पहचान बना रहा है और वैश्विक मंच पर इतनी उम्मीदों के साथ कदम रख रहा है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम स्तर को ऊंचा उठाएं। एक अभिनेता-निर्माता के रूप में, मैं इस पल को भारतीय फिल्म उद्योग और हम सभी के लिए अपना योगदान देने के अवसर के रूप में देखता हूं, और यह सुनिश्चित करने के लिए समय निकालता हूं कि हमारी फिल्म दुनिया तक उस प्रभाव के साथ पहुंचे जो इसे डालना चाहिए।

हर कदम और हर बदलाव में आपका समर्थन मेरे साथ बना रहा है, और मैं इसके लिए अत्यंत आभारी हूं। कुछ कहानियों में धैर्य की आवश्यकता होती है। कुछ यात्राओं में इसकी मांग होती है। हम आपको एक ऐसी फिल्म देने का वादा करते हैं जिसका आप आनंद लेंगे और जश्न मनाएंगे। एक ऐसी फिल्म जो भारतीय सिनेमा के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण साबित होगी।

बता दें, टॉक्सिक में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिनी वसंत अहम रोल में नजर आने वाली हैं। टॉक्सिक का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है।

मोहनलाल की दृश्यम 3 को मिली नई रिलीज तारीख, एक्टर ने एक्स पर दी जानकारी

मोहनलाल की अपकमिंग फिल्म के लिए फैंस को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। मलयालम फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट टाल दी गई है। सोमवार को, एक्टर ने अपने एक्स अकाउंट पर इस हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया। इस फिल्म में वह जॉर्जकुट्टी नाम के एक टीवी केबल ऑपरेटर का किरदार निभा रहे हैं।

दृश्यम 3 अब 21 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस दिन मोहनलाल का जन्मदिन भी है। मोहनलाल ने एक नई पोस्ट के जरिए रिलीज की नई तारीख शेयर की। कैप्शन में लिखा था, अतीत कभी चुप नहीं रहता। वह बस इंतजार करता है। जॉर्जकुट्टी आ रहा है। 21 मई 2026 को दृश्यम 3 दुनिया भर में रिलीज होगी।

मेकर्स ने दृश्यम 3 के टलने की वजह नहीं बताई है। हाल ही में यश की अदाकारी वाली फिल्म टॉक्सिक को टाल दिया गया था। मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए फिल्म की रिलीज मार्च से जून तक के लिए टाल दी गई थी।

दृश्यम 2 उस हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसमें जॉर्जकुट्टी को पुलिस से एक गहरा राज छिपाने के लिए संघर्ष करते हुए दिखाया गया है। दृश्यम (2013) और दृश्यम 2 (2021) पूरे भारत में हिट रहीं। हिंदी, सिंहली, मैंडरिन और कोरियन सहित कई भाषाओं में इनका रीमेक बनाया गया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

प्रियंका चोपड़ा बनीं बायोपिक का हिस्सा, कैमियो से जीतने आएंगी फैंस का दिल

ग्लोबर सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा भले ही विदेश में रहती हों, लेकिन भारत में उनका आना-जाना लगा रहता है। इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी है, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि उन्होंने देश में रहते हुए ही एक बायोपिक फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस परियोजना के बारे में ज्यादा जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चा है कि प्रियंका को इसमें एक कैमियो करते हुए दिखाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का नाम अमरी है, जो हंगरी-भारतीय चित्रकार अमृता शेर-गिल की बायोपिक है। सूत्र ने बताया कि प्रियंका हाल ही में भारत में थीं। एक अन्य प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद उन्होंने फिल्म की शूटिंग की। उन्होंने कहा, फिल्म का उद्देश्य हंगरी, भारत और फ्रांस में चित्रकार के जीवन को दर्शाना है। फिल्म में एक विशेष हिस्सा था जिसके लिए पिछले साल प्रियंका से संपर्क किया गया था, और उन्होंने पिछले सप्ताह इसकी शूटिंग की।

फिल्म का निर्माण भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता मीरा नायर कर रही हैं। प्रियंका एक विशेष भूमिका निभाएंगी। वहीं अमृता शेर-गिल की मुख्य भूमिका के लिए अभिनेत्री तान्या मानिकतला को कास्ट किया गया है।

बता दें, अमृता शेर-गिल 20वीं सदी की मशहूर हंगेरियन-भारतीय चित्रकार थीं, जिन्हें आधुनिक भारतीय कला का अग्रणी माना जाता है। 19 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पेंटिंग यंग गर्ल्स के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला होने का गौरव हासिल किया था।

फातिमा सना शेख ने बताया किस बात से हो जाती हैं खुश

फातिमा सना शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही ने एक्ट्रेस ने बिकिनी में अपनी कई फोटोज शेयर की है। जिसपर फैंस प्यार लुटा रहे है। हालांकि एक्ट्रेस कई साल पहले बिकिनी फोटोशूट के लिए ट्रोल हो चुकी है।

फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर बिकिनी में अपनी कई सारी फोटो शेयर की है। तस्वीरों में एक्ट्रेस मरून कलर की बिकिनी पहने बीच के किनारे पोज देती नजर आ रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। उनका ये ग्लैमरस अवतार देख फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, मुझे खुश करना बहुत आसान है। मुझे बस बीच या पहाड़ों पर ले जाओ, और कुछ नहीं चाहिए और हां, बिजली से बेहतर ट्रैवल पार्टनर कोई नहीं है। उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फोटोज पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। बता दें, फातिमा सना शेख साल 2017 ट्रोलिंग का शिकार हो गई थी। दरअसल, उन्होंने रमजान के महीने में एक मैगजीन के लिए बिकिनी फोटोशूट कराया था, जिसकी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। वहीं, फोटो को डालने के बाद उनपर लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि मुस्लिम होने के नाते उन्हें ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

दर्शकों को फिर से चौंकाने के लिए आ रही हैं ऋचा चड्ढा

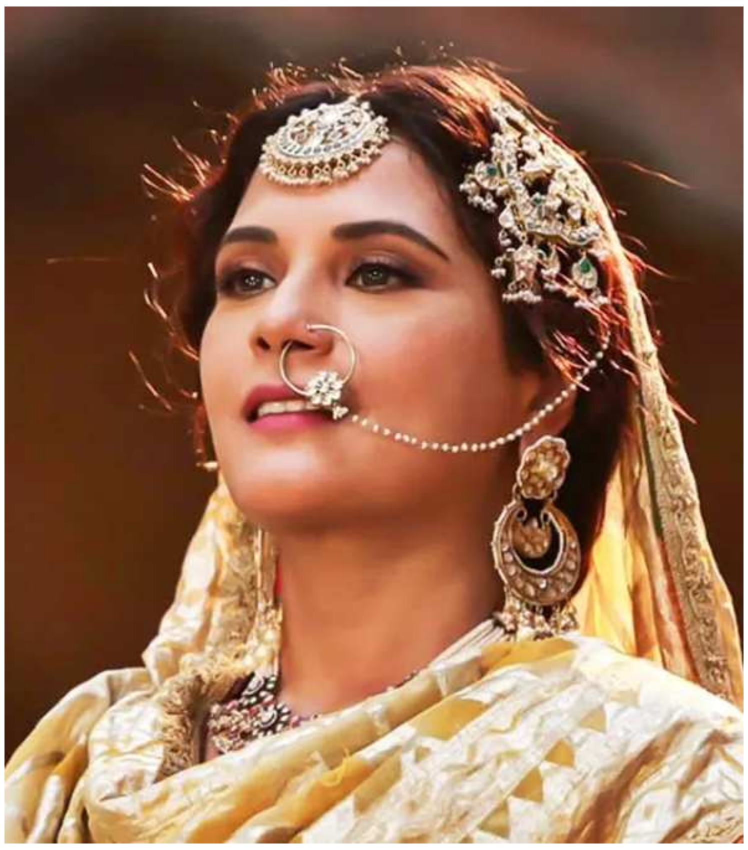

मसान और फुकरे जैसी फिल्मों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वालीं ऋचा चड्ढा एक बार फिर चर्चा में हैं। आखिरी बार उन्हें संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार (मई, 2024) में लज्जो का किरदार निभाते हुए देखा गया था। ताजा अपडेट है कि ऋचा एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को फिर से चौंकाने के लिए आ रही हैं। उन्हें जल्द ही ओटीटी की एक रोमांचक क्राइम थ्रिलर सीरीज में मुख्य किरदार निभाते हुए देखा जाएगा।

के मुताबिक, ऋचा को उनके द्वारा निभाई गई पीरियड भूमिका से बिलकुल अलग, आगामी परियोजना में एक जासूस के किरदार में देखा जाएगा। सीरीज के बारे में ज्यादा विवरण तो सामने नहीं आया है, लेकिन अभिनेत्री ने इसकी शूटिंग शुरू कर दी है। यह शो अपराध और जांच की पृष्ठभूमि पर आधारित एक जटिल कहानी दर्शकों के सामने पेश करेगा। इसमें अभिनेत्री का किरदार बतौर जासूस इन रहस्यों की गुत्थी को सुझलाने का काम करेगा।

सूत्र ने कहा, हीरामंडी के बाद और प्रेग्नेंसी के बाद, ऋचा कुछ बिल्कुल अलग करना चाहती थीं। एक जासूस की भूमिका उन्हें तीक्ष्ण और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन दिखाने का मौका देती है। उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी है, और इसका लुक और टोनैलिटी उनके द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से बिल्कुल अलग है। बता दें, हीरामंडी की रिलीज के बाद जुलाई, 2024 में ऋचा ने बेटी को जन्म दिया था। तब से वह पर्दे से दूर हैं।

बगैर मान्यता स्कूल का संचालन विभाग ने बंद कराया

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रतापनगर ब्लॉक के ओखलाखाल में वर्ष 2021 से संचालित मर्सी ऑफ गॉड एकेडमी प्राथमिक स्कूल को शिक्षा विभाग के नोटिस के बाद बंद कर दिया गया है। स्कूल की कोई मान्यता नहीं होने के कारण बीईओ पूनम चौहान ने उन्हें मान्यता लेने के निर्देश दिए थे लेकिन विद्यालय प्रबंधन नियमों को ताक में रखकर स्कूल का संचालन कर छात्रों को टीसी प्रमाणपत्र भी निर्गत कर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था।

बीईओ ने स्कूल प्रबंधक रोबिना को जारी किए नोटिस में कहा कि स्कूल बिना मान्यता के संचालित होने के कारण बच्चों का पंजीकरण यू-डायस पोर्टल पर न होने से उनका भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। बीईओ ने स्कूल प्रबंधन को 21 अप्रैल को नोटिस जारी करते हुए मान्यता नहीं होने की स्थिति में अनाधिकृत रूप से संचालित स्कूल बंद को करने के निर्देश दिए। प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि बिना मान्यता के संचालित स्कूल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरटीई अधिनियम के तहत एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा और उल्लंघन जारी रहने पर 10 हजार रुपये प्रतिदिन अर्थदंड वसूलने के लिए विधिक कार्यवाही की चेतावनी गई थी। नोटिस मिलने के बाद प्रबंधन ने स्कूल का संचालन बंद कर दिया है। इस बाबत प्रतापनगर की बीईओ पूनम चौहान का कहना है कि स्कूल का संचालन बंद कर दिया गया है, वहां पढ़ रहे छात्रों को नजदीकी स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया है।

चार माह से नहीं मिले सिलिंडर, चूल्हा जलाने के लिए जंगल से ला रहे लकड़ी

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। देवप्रयाग और कीर्तिनगर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन से चार महीने से गैस सिलिंडर की आपूर्ति न होने पर लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में दो, तीन व चार माह से गैस सिलिंडर की आपूर्ति नहीं हुई है।

लोगों का कहना है कि अधिकतर घरों में बुजुर्ग लोग ही हैं। सिलिंडर नहीं मिलने से उन्हें जंगलों से लकड़ी लानी पड़ रही है। गढ़वाल विवि के पूर्व छात्र संघ महासचिव व बडियारगढ़ क्षेत्र निवासी अंशु कंडारी ने बताया कि कीर्तिनगर ब्लॉक के लोस्तु-बडियारगढ़, सिल्काखाल, धारी डुंडसिर, हिंसरियाखाल, अकरी बारजुला, नैथाणा, मुल्यागांव व देवप्रयाग ब्लॉक के हिंडोलाखाल, पौड़ीखाल, जामणीखाल, रणसोलीधार आदि क्षेत्रों में लोग गैस किल्लत से परेशान हैं। उन्होंने एसडीएम कीर्तिनगर पंकज भट्ट से मिलकर समस्या के समाधान की मांग की। उन्होंने बताया कि एसडीएम ने जिन क्षेत्रों में ज्यादा दिक्कत है वहां प्राथमिकता से सिलिंडर पहुंचाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सू- दोकू क्र.034

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 33 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने पर बीडीसी बैठक में हंगामा

चमोली(आरएनएस)। क्षेत्र पंचायत पोखरी की त्रैमासिक बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने पर जमकर हंगामा किया और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। सीडीओ ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि बैठक में आए सभी मुद्दे जनता से सीधे जुड़े हुए हैं और इनका समय पर समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। बृहस्पतिवार को ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख राजी देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जनप्रतिनिधियों ने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी व कृषि से जुड़ी समस्याओं को उठाया। सबसे ज्यादा मामले लोनिवि और पीएमजीएसवाई से जुड़े रहे। सड़कों की बदहाली व अधूरे निर्माण पर जनप्रतिनिधियों ने हंगामा किया तो सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। आली के प्रधान विनोद आगरी ने आली-जिलासू सड़क लंबे समय से बाधित होने, भदूड़ा के प्रधान राकेश रावत ने पोखरी-हापला-गोपेश्वर सड़क और पोखरी-शरणाचाई-त्रिशूला सड़क की जर्जर स्थिति, किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी ने 2017 से निर्माणाधीन जौरासी-तोणजी सड़क की धीमी प्रगति का मुद्दा उठाया। जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र राणा ने रुद्रप्रयाग-पोखरी-गोपेश्वर सड़क के गुनियाला, नारी गदेरा, बंगथल में अधूरे पुश्ते व कॉजवे और पोखरी-वल्ली-हरिशंकर सड़क की बदहाली का मुद्दा उठाया। बीडीसी सदस्य कुलदीप राणा ने क्षेत्र पंचायत निधि से कराए गए कार्यों का भुगतान लंबित होने आदि का मुद्दा उठाया। सीडीओ ने सभी मुद्दों के समय से समाधान के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी केके पंत, एसडीएम अलकेश नौडियाल, डीपीआरओ रमेश चंद्र त्रिपाठी, लोनिवि के ईई राजकुमार, सहायक अभियंता तस्दीक अहमद, कनिष्ठ अभियंता शिवलाल, जल निगम ईई राजेश सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु बडोला और जल संस्थान के सहायक अभियंता राहुल राय आदि मौजूद रहे। बैठक में तहसील में दस्तावेज बनाने में देरी, सिनाऊ तल्ला-मल्ला में पेयजल संकट, डुंगर में जल जीवन मिशन के तहत 14 परिवारों को कनेक्शन न दिए जाने, प्राथमिक विद्यालय तमुंडी के भवन की जर्जर स्थिति, जीआईसी उडामांडा में भवन की समस्या, सीएचसी पोखरी में चिकित्सकों की तैनाती, अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराने सहित अन्य मुद्दे उठाए गए।

त्रिवेणीघाट पर जोखिम में जान डाल रहे श्रद्धालु

ऋषिकेश(आरएनएस)। त्रिवेणीघाट पर गंगा की अस्थायी जलधारा में पानी कम होने से देश-दुनिया के श्रद्धालु अब जान जोखिम में डाल रहे हैं। वह अस्थायी जलधारा को पार कर मुख्य जलधारा तक पहुंचकर स्नान कर रहे हैं, जिससे तेज प्रवाह में उनके गंगा में बहने की आशंका काफी बढ़ गई है।

अस्थायी जलधारा में पानी का स्तर कम होने से श्रद्धालुओं को कई मीटर लंबी पथरीली डगर भी पार करनी पड़ रही है। गंगा में टापू नुमा पथरीली डगर में न सिर्फ यात्रियों के लड़खड़ा कर चोटिल होने का खतरा है, बल्कि अचानक गंगा का जलस्तर बढ़ने पर उनके टापू पर ही फंसने की आशंका भी बनी हुई है। गंगा सभा से जुड़े राहुल शर्मा ने बताया कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों को अस्थायी जलधारा में पानी का प्रवाह बढ़ाने के लिए मौखिक तौर पर कई बार कहा जा चुका है। रामकृपाल गौतम ने बताया कि इस तरह की लापरवाही से श्रद्धालुओं की जान को जोखिम बना हुआ है। एसडीओ सुरेंद्र श्रीकोटी ने बताया कि अस्थायी जलधारा में फिलहाल पानी पर्याप्त मात्रा में है। बावजूद, कमी होती है, तो फौरीतौर पर आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

मौसम की बेरुखी ने तोड़ी सेब काश्तकारों की उम्मीद

उत्तरकाशी(आरएनएस)। रवांई घाटी में इस वर्ष मौसम की बेरुखी ने सेब काश्तकारों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पहले सूखे और बर्फबारी की कमी ने फसल को प्रभावित किया। वहीं बाद में हुई ओलावृष्टि और लगातार बारिश ने उम्मीदें भी तोड़ दी। सेब के दानों पर पड़े ओलों के गहरे निशानों के कारण काश्तकारों को अच्छे दाम मिलने की संभावना भी धूमिल हो गई है। इस वर्ष सेब के बगीचों में पर्याप्त बर्फबारी नहीं हुई जिससे चिलिंग आवर्स की कमी बनी रही।

अप्रैल में फ्लावरिंग का पीक समय होता है जब मधुमक्खियां परागण कर बेहतर उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है लेकिन इसी दौरान हुई बारिश और ओलावृष्टि से परागण धुल गया और बड़ी संख्या में फूल झड़ गए। रवांई घाटी के नौगांव, पुरोला और मोरी ब्लॉक में हर वर्ष करीब 25 हजार मीट्रिक टन सेब का उत्पादन होता है। यहां सैकड़ों परिवारों की आजीविका पूरी तरह सेब की खेती पर निर्भर है लेकिन इस बार मौसम की मार से काश्तकारों के लिए बगीचों में खाद, दवाई और रखरखाव पर सालभर किए गए खर्च की भरपाई करना भी मुश्किल हो गया है।

कुंभ मेला को लेकर चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने निर्माण कार्यों की निगरानी और सख्त कर दी है। गुरुवार को मेलाधिकारी सोनिका ने अधिकारियों की टीम के साथ विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सड़क और पुल निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण गुणवत्ता की जांच के लिए सड़कों की मौके पर खुदाई कराकर तकनीकी मानकों का परीक्षण भी कराया। मेलाधिकारी सोनिका ने स्पष्ट कहा कि कुंभ मेला-2027 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और प्रशासनिक क्षमता का वैश्विक प्रदर्शन है। ऐसे में निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, गुणवत्ता में कमी या अनावश्यक देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बहादराबाद-सिडकुल चार लेन मार्ग, ज्वालापुर-शिवालिक नगर मोटर मार्ग पर निर्माणाधीन पुल तथा पतंजलि योगपीठ से फेरूपुर तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने, अतिक्रमण हटाने, नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और सड़कों के किनारे वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए।

एमडीएम पोर्टल की तकनीकी खामी पर भड़का शिक्षक संघ

विकासनगर(आरएनएस)। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने मध्याह्न भोजन योजना के पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि विभाग तकनीकी खामी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया, तो आंदोलन किया जाएगा। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के पोर्टल पर पिछले दो दिनों से आ रही तकनीकी समस्या को लेकर नाराजगी नाराजगी जताई है। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि पोर्टल पर लगातार मैसेज न जाने की समस्या के बावजूद विभाग तकनीकी खामी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रहा है, जबकि मामूली त्रुटि पर शिक्षकों के वेतन रोकने जैसे आदेश जारी कर दिए जाते हैं। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मधु पटवाल ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ-साथ विद्यालय संचालन एवं अन्य विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। इसके बावजूद पीएम पोषण योजना के अंतर्गत एमडीएम सूचना प्रेषण में जरा सी त्रुटि होने पर बिना ठोस कारण जाने सीधे वेतन रोकने के आदेश जारी कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कल से पोर्टल पर लगातार तकनीकी समस्या बनी हुई है, तब विभाग इसे केवल तकनीकी खामी बताकर पल्ला झाड़ रहा है?

जिला कोषाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने कहा कि कई बार नेटवर्क समस्या, पोर्टल संबंधी दिक्कत अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से सूचना समय पर प्रेषित नहीं हो पाती। एक-दो बार की त्रुटि पर बिना समुचित सुनवाई एवं स्पष्टीकरण के सीधे वेतन रोकना शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक सदैव विभागीय कार्यों के प्रति जिम्मेदार रहे हैं और अधिकांश विद्यालय नियमित रूप से सूचना भेजते हैं। ब्लॉक मंत्री कमल सुयाल ने कहा कि पोर्टल की लगातार बनी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार केवल शिक्षकों को ही निशाना बनाया जाता है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में शिक्षकों के साथ इस प्रकार का दोहरा मापदंड अपनाया गया तो शिक्षक संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

परिवार दिवस पर एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेज इंडिया ने किया डिजिटल लर्निंग सेंटर का शुभारंभ

हमारे संवाददाता

टिहरी। परिवार दिवस के अवसर पर एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेज इंडिया द्वारा बौराड़ी में डिजिटल लर्निंग सेंटर (डीएलसी) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी ज्योति पंवार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डिजिटल लर्निंग सेंटर का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों और युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता से जोड़ना है। प्रथम बैच में 40 बच्चों एवं युवाओं का नामांकन किया गया है, जिन्हें डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्था द्वारा विशेष रूप से कमजोर एवं संवेदनशील वर्ग के बच्चों को प्राथमिकता दी जा रही है। एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेज इंडिया वर्तमान में बौराड़ी क्षेत्र के छह क्लस्टरों केमसारी टिन शेड, पीपली गांव, निर्मल आवास, जसपुर गांव, मुस्लिम मोहल्ला एवं बाल्मीकि बस्ती में कार्य कर रही है

तथा लगभग 350 बच्चों तक अपनी सेवाएं पहुंचाने का लक्ष्य रखती है। डिजिटल लर्निंग सेंटर के उद्घाटन के पश्चात 'परिवार दिवस' कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 150 बच्चों एवं अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है और यह पहल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष ऋषि कुमार ने कहा कि परिवार बच्चों के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है तथा बच्चों को सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण मिलना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों एवं परिवारों के समग्र विकास हेतु संस्था के प्रयासों की सराहना की। एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेज इंडिया के सीईओ सुमंत कर ने कहा कि डिजिटल साक्षरता आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह केंद्र बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने में मदद करेगा।

सूनी चौखटों को 'अपनों' का इंतजार...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

अपने जाले बुन लिए हैं। ऐसा लगता है मानो घर भी अपने लोगों के लौटने की राह देखते-देखते थक गए हों। विडंबना यह है कि जिस पहाड़ ने देश को सैनिक, शिक्षक, वैज्ञानिक और अधिकारी दिए, वही पहाड़ आज अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। गांव खाली हो रहे हैं संस्कृति सिमट रही है और लोक परंपराएं धीरे-धीरे यादों में बदलती जा रही हैं।

'सत्ता' के आगे झुकी 'उम्र'...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

लोग इसे महिला प्रधान को अनावश्यक रूप से निशाना बनाने की कोशिश बता रहे हैं। उनका कहना है कि यदि यही तस्वीर किसी पुरुष प्रधान की होती, तो शायद इतना बड़ा विवाद खड़ा नहीं होता। वहीं दूसरी ओर कई लोग इसे विनम्रता और सामाजिक संतुलन से जोड़कर देख रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र के बु(जीवियों, ग्रामीणों और सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग दृष्टिकोण देखने को मिल रहे हैं। एक पक्ष का मानना है कि यह सम्मान वीरा रावत नामक एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि ग्राम प्रधान के संवैध ानिक पद को दिया गया है। जब कोई व्यक्ति किसी प्रशासनिक या संवैधानिक पद पर बैठता है, तो वह व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। कई बार ग्रामीण अपनी अत्यधिक कृकृतज्ञता, काम हो जाने की खुशी या प्रशासनिक औपचारिकता के तहत पद के प्रति अपना सम्मान इस तरह प्रकट करते हैं। लोकतंत्र में पद की एक अपनी गरिमा होती है जो उम्र और जेंडर से ऊपर होती है।

दूसरा पक्ष इस घटना को उत्तराखंड की समृ(सांस्कृतिक परंपराओं के खिलाफ देख रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ों में कुमाऊंनी और गढ़वाली संस्कृति के तहत बेटियां और बहुएं हमेशा पूजनीय रही हैं। गाँव के बुजुर्ग हमेशा युवाओं को आशीष देते हैं। आलोचकों का कहना है कि भले ही कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न बैठ जाए, लेकिन सामाजिक जीवन में उसे अपनी उम्र, मर्यादा और पहाड़ के पारंपरिक संस्कारों का ध्यान रखना चाहिए। यदि बुजुर्ग भावुकतावश पैर छूने भी लगे, तो युवा प्रधान को शालीनता से उन्हें रोकना चाहिए था।

पहाड़ में युवा महिला नेतृत्व का उभरना निश्चित रूप से एक सकारात्मक संकेत है और वीरा रावत जैसी युवा प्रधानों से क्षेत्र को विकास की बड़ी उम्मीदें हैं। लेकिन इस तरह के मामलों से यह भी सीख मिलती है कि ग्रामीण भारत में सफल नेतृत्व वही माना जाता है, जो प्रशासनिक शक्ति के साथ-साथ लोक-परंपराओं और बुजुर्गों के सम्मान के बीच एक सही संतुलन बनाकर चले। यह मामला इस बात पर आत्ममंथन करने का अवसर देता है कि हम अपनी व्यवस्थाओं को मजबूत करते समय अपनी उन बुनियादी जड़ों और संस्कारों को न भूलें, जो हमारे पहाड़ की असली पहचान हैं।

'दिशा' बैठक में पौड़ी सांसद ने पेयजल, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश

हमारे संवाददाता

पौड़ी। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने पौड़ी स्थित विकास भवन सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के समाधान, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

सभागार पहुंचने पर जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया, एसएसपी सर्वेश पंवार तथा सीडीओ अशोक जोशी द्वारा सांसद तथा अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। बैठक में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, खेल, संचार तथा सामाजिक कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पेयजल एवं जल संस्थान विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने निर्देश दिए कि जिन गांवों में पेयजल संकट बना रहता है, वहां आवश्यकतानुसार टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही अधूरी पेयजल योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने को कहा गया। बैठक में जयहरीखाल क्षेत्र की पेयजल समस्याओं का मुद्दा भी उठाया गया, जिस पर संबंधि त अधिकारियों को सुधार कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

सांसद ने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पेयजल पंपिंग योजनाओं की पूर्व तैयारी की जाए तथा एक माह के भीतर पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। लैंडस्लाइड की दृष्टि से संवेदनशील मोटर मार्गों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधि त विभागों को बरसात से पूर्व आवश्यक सुधारीकरण कार्य पूर्ण करने तथा आपदा प्रबंधन के लिए मशीनरी एवं मानव संसाधन तैयार रखने के निर्देश दिए। गुमखाल सतपुली मोटर मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित निजी परिसंपत्तियों के सुध ारीकरण कार्य शीघ्र पूरा करने को भी कहा गया। सांसद ने समाज कल्याण एवं शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए विद्यालयों में विशेष शिक्षण व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए सत्यापन प्रक्रिया के कारण लंबित मामलों का विशेष अभियान चलाकर निस्तारण करने तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। इस पर जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने निर्देश दिए कि सत्यापन प्रक्रिया के कारण जिन लाभार्थियों की पेंशन रुकी हुई है, उनके मामलों का विशेष अभियान चलाकर 15 दिनों के भीतर निस्तारण किया जाए तथा लंबित गैप को पूर्णतः समाप्त किया जाए।

सार्वजनिक स्थान पर भीख मांगती महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर भीख मांग रही महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला दरोगा कल्पना पाण्डे ने तहसील चौक पर सार्वजनिक स्थान पर भीख मांग रही महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गुलाबों पत्नी बादशाह निवासी चानचक हरियाणा बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शराब तस्करी में दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं जिनके पास से 3 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली कोटद्वार पुलिस ने शराब तस्करी की एक सूचना के आधार पर क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस को अलग-अलग स्थानो से दो संदिग्ध व्यक्ति दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोक कर तलाशी ली तो उनके पास से तीन पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम दिनेश पंत,निवासी कोटद्वार व रोहित भाटिया, निवासी काशीरामपुर कोटद्वार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

अवैध शस्त्र निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

हमारे संवाददाता

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट में अवैध शस्त्र निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवैध शस्त्रों की आवाजाही, आर्म लाइसेंसों के सत्यापन,

❑डीएम ने निगरानी तंत्र मजबूत करने के दिए निर्देश

लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही तथा जब्त हथियारों के प्रबंधन पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध हथियारों का व्यापार सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और इसके उन्मूलन हेतु सभी सम्बंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत इंटेलिजेंस नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि हथियारों की तस्करी के संभावित मार्गों और संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा सके। उन्होंने शस्त्र लाइसेंस धारकों के रिकॉर्ड का नियमित सत्यापन तथा सघन जांच सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही तहसीलों में स्थापित मालखानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में शस्त्र पटल सहायक द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जनपद चमोली में शस्त्र से संबंधित कोई मुकदमा दर्ज नहीं है तथा कोई हथियार जब्त नहीं किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक बीएस राणा ने कहा कि पुलिस विभाग अवैध शस्त्रों की तस्करी रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रहा है तथा थाना स्तर पर शस्त्रों के सत्यापन की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही है।बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, डीएफओ सर्वेश दुबे, एसडीएम आरके पाण्डेय, एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ, एसडीएम अबरार अहमद सहित वर्चुअल माध्यम से पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कैंसर पीड़ित परिवार को मिली बड़ी राहत

संवाददाता

देहरादून। जिला प्रशासन ने कैंसर पीडित परिवार को राहत देते हुए 71 हजार का ऋण माफ कर 50 हजार की आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

आज यहां मुख्यमंत्री के निर्देशों को धरातल पर उतारते हुए जिला प्रशासन देहरादून लगातार मानवीय संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई के साथ जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने का कार्य कर रहा है। जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न जिला स्तरीय प्रोजेक्ट, सीएसआर फंड, रायफल क्लब मद तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से अनेक असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनमानस की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर संवेदनहीनता अथवा योजनाओं के लाभ से वंचित होने जैसी स्थिति नहीं आनी चाहिए। यदि किसी जरूरतमंद, असहाय अथवा पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचने में किसी प्रकार का गैप रह जाता है, तो जिला प्रशासन अपने स्तर पर उस कमी को पूरा करते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध

❑71 हजार का ऋण माफ, 50 हजार की आर्थिक सहायता

कराए। जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील समाधान हेतु प्रतिबद्ध जिला प्रशासन ने एक बार फिर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आर्थिक संकट से जूझ रहे एक कैंसर पीड़ित परिवार को बड़ी राहत प्रदान की है।

इसी क्रम में हाल ही में रायपुर क्षेत्र की एक महिला, जिनके पति कैंसर से पीड़ित हैं और परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था, को जिला प्रशासन द्वारा बड़ी राहत प्रदान की गई। परिवार पर लगभग 71 हजार रुपये का ऋण बकाया था तथा लगातार इलाज एवं घरेलू खर्चों के कारण परिवार दयनीय स्थिति में पहुंच चुका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड से ऋण की सम्पूर्ण धनराशि जमा कराते हुए संबंधित परिवार को ऋणमुक्त कराया। साथ ही अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

रायपुर विकासखण्ड के दूरस्थ ग्राम द्वारा मालदेवता निवासी संध्या रमोला ने जिलाधिकारी सविन बंसल के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उनके पति गले के कैंसर से पीड़ित हैं तथा उनका उपचार हिमालय अस्पताल में चल रहा है। गंभीर बीमारी और लगातार कीमोथेरेपी के चलते उनके पति कार्य करने में असमर्थ हो गए हैं, जबकि परिवार के भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर निर्भर थी।

संध्या ने अवगत कराया कि उनके दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक की आयु लगभग तीन वर्ष तथा दूसरे की छह वर्ष है। लगातार इलाज, दवाइयों एवं घरेलू खर्चों के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में 45 हजार रुपये तथा वर्ष 2025 में 37 हजार रुपये का ऋण स्वयं सहायता समूह संचालन एवं स्वरोजगार हेतु बैंक से लिया गया था, किंतु पति की बीमारी के चलते वह ऋण की किश्तें जमा नहीं कर पाई। परिणामस्वरूप बैंक द्वारा लगभग 71 हजार रुपये जमा करने का नोटिस जारी किया गया तथा एजेंटों द्वारा लगातार दबाव बनाए जाने से परिवार मानसिक तनाव से भी गुजर रहा था। इसी के चलते उन्होंने जिलाधिकारी से ऋण माफी एवं आर्थिक सहायता की गुहार लगाई।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जिला प्रशासन के सीएसआर फंड से 71 हजार रुपये की धनराशि सीधे ऋण खाते में जमा कराने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित बैंक को नो ड्यूज प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त रायफल क्लब मद से संध्या रमोला के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे परिवार जो किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं अथवा आकस्मिक संकट का सामना कर रहे हैं, उन्हें जिला प्रशासन हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर दिव्यांगजन, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों, निराश्रित महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तथा आपात परिस्थितियों से प्रभावित नागरिकों को विभिन्न माध्यमों से सहायता प्रदान की जा रही है। प्रशासन की यह पहल शासन की जनकल्याणकारी सोच, संवेदनशील प्रशासनिक कार्यशैली एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आ रही है।

दहेज हत्या के आरोपी को धर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दहेज हत्या के मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 30 मार्च को मोहम्मद इरफान पुत्र मोहम्मद हसन निवासी ग्राम जबरदस्तपुर द्वारा कोतवाली रुड़की में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी पुत्री की उसके ससुराल में संदिग्ध मौत हुई है। आरोप लगाया गया कि दहेज की मांग को लेकर विपक्षियों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उसकी पुत्री की मृत्यु हुई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आये आरोपी अबू बकर पुत्र ताहिर निवासी ग्राम गढ़ी सांगीपुर थाना लक्सर, हाल निवासी ग्राम जोरासी जबरदस्तपुर, कोतवाली रुड़की को एक सूचना के बाद आज सुबह लंढौरा चौक से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री से ओबीसी वेलफेयर पार्लियामेंट्री कमेटी के प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से ओबीसी वेलफेयर पार्लियामेंट्री कमेटी के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री आवास में भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि ओ.बी.सी संसदीय समिति सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओ.बी.सी वेलफेयर के लिए राज्य में विधिक और संस्थागत व्यवस्था है। विभिन्न योजनाओं के पॉलिसी रिव्यू, फीडबैक और फॉलोअप के माध्यम से योजनाओं का लाभ प्रत्येक ओबीसी परिवार को पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 90 जाति / उपजाति समुदाय ओबीसी की सूची में हैं। जिनके विकास के लिए राज्य सरकार,

प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य की नीति और बजट को गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों के कल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन जैसी योजनाओं को जरूरतमंदों तक प्रभावी रूप से पहुंच रही है। इस दौरान ओबीसी वेलफेयर पार्लियामेंट्री कमेटी की ओर से अध्यक्ष सांसद गणेश सिंह एवं अन्य सांसद विजय बघेल, डॉ. स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी (साक्षी महाराज), विद्युत बरन महतो, रोडमल नागर, श्री रमाशंकर विधार्थी राजभर, डॉ अशोक कुमार यादव, गिरधारी यादव, मस्तान राव यादव बीड़ा, राजेंद्र गहलोत, शुभाशीष खूंटिया, मयंककुमार नायक एवं डॉ. भीम सिंह मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने किया मोटर मार्ग के सुधार कार्यों का निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अनारवाला-मालसी मोटर मार्ग पर चल रहे मरम्मत एवं सुधार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अनारवाला-मालसी मोटर मार्ग पर चल रहे मरम्मत एवं सुधार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क मरम्मत कार्यों में तेजी लाई जाए तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्रवासियों के साथ-साथ पर्यटकों एवं दैनिक आवागमन करने वाले लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। कैबिनेट मंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को देखते हुए संभावित जोखिम वाले स्थानों को चिन्हित कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क किनारे स्थित ऐसे बड़े पेड़ों की लॉपिंग एवं छंटाई तत्काल कराई जाए, जो तेज बारिश या आंधी के दौरान दुर्घटना का कारण बन

सकते हैं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क मार्ग के बीच अथवा आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे विद्युत पोलों को प्राथमिकता के आधार पर शिफ्ट किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क को सुरक्षित एवं सुगम बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा आमजन की सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी मसूरी अमित कवंर, लोनिवि के ईई राजेश कुमार, यूपीसीएल के ईई एसडीएस बिष्ट, भाजपा के मण्डल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, संध्या थापा, निर्मला थापा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।